

140  
28 (A-E)

980  
28

अथ  
संकीर्णपत्रसंग्रहः

San Kiirna patra Sangraha



३८ गंगा सहस्रनाम  
 ४० गोपात्र सहस्रनाम  
 ४१ प्रादित्यहमय  
 ४२ सिद्धवर्म  
 ४३ नारायणवर्म  
 ४४ गरुडशकवच  
 ४५ देवीकवच  
 ४६ सुर्यकवच  
 ४७ रामरक्षा  
 ४८ सिद्धरक्षा  
 ४९ सिद्धकवच  
 ५० प्रसादाख्यसिद्धकवच  
 ५१ हनुमतकवच  
 ५२ पंचमुखीहनुमतकवच  
 ५३ महीम  
 ५४ सोपानपंचक  
 ५५ सिद्धप्रपराधसदनसोत्र  
 ५६ सिद्धमानसपुजा  
 ५७ सिद्धविष्णुपरासोत्र  
 ५८ माकंडेयकृतसिद्धसोत्र

१७ भावप्रकाशवैद्यक  
 का १८००  
 १८ सारगधरवैद्य  
 १९ वैद्यदर्पणवैद्यक  
 २० माधोनिदानवै  
 २१ चिकित्सादीपवैद्य  
 २२ चिकित्साजल  
 २३ वैद्यसंग्रहभासा  
 २४ रामचंद्रिकाभाषा  
 २५ सुकवहर्तरीभाषा  
 २६ प्रमरकोसभाषा  
 २७ प्रसतीमुखा  
 २८ तत्त्वबोधनीको  
 मुदीकाटीका  
 २९ भाष्यप्रकाश  
 ३० गायनप्रकार



५८ मा केंडिय कृत सिव सौत्र  
 ५९ सिव सौती  
 ६० सि धांत विद सिव सौत्र  
 ६१ वसी ष कृत सिव सौत्र  
 ६२ नारद कृत गरुड सौत्र  
 ६३ व्यास कृत नव ग्रह सौत्र  
 ६४ गरुड सौत्र राज  
 ६५ कुट्टि ष गरुड सौत्र  
 ६६ गरुड सौत्र निषद  
 ६७ खड्ग प्रष्टा व्याय  
 ६८ संहिता प्रष्टा य ४०  
 ६९ गं गा वृ क २  
 ७० वागदेवी सौत्र  
 ७१ सनी सौत्र  
 ७२ सप्रस्तो की गीता  
 ७३ चतु स्तो की भागवत  
 ७४ दे की मान सपुजा  
 ७५ वेद क क वच  
 ७६ प्रनंता के कथा  
 ७७ हरता विका के कथा  
 ७८ सप्त नारायण के कथा

140

28(A)



॥ श्री गणेशाय नमः ॥ यादपुस्तकनकै ॥  
 १ विंशपुराणपुकी धितरा धी सटीक १५००  
 २ श्रीमत् भागवत द्वादसस्कंद सटीक १८००  
 ३ काराहपुराणमुल  
 ४ विंशपुराणपुकी धितरा धी मुल १५००  
 ५ ब्रह्मोत्तरखंड मुल स्कंदपुराणंतरगत <sup>उसक २</sup>  
 ६ केदारखंड मुल स्कंदपुराणंतरगत  
 ७ सेतुमाहात्म्य मुल स्कंदपुराणंतरगत  
 ८ आवरा माहात्म्य मुल पुस्तक २  
 ९ कातीक माहात्म्य मुल पुस्तक २  
 १० माद्य माहात्म्य मुल  
 ११ वैसाख माहात्म्य मुल पुस्तक २  
 १२ चातुर्मास्य माहात्म्य मुल  
 १३ चैत्र माहात्म्य मुल  
 १४ एकादसी माहात्म्य मुल, प्रधाय २६  
 १५ सप्तमती सटीक प्रधाय १८  
 १६ रामास्वमेध मुल  
 १७ जौमिनि कृतास्वमेध मुल  
 १८ गणेश गीता मुल  
 १९ देवी गीता मुल



१८ ॐ देवी गीता मुल

२० न गवत गीता मुल

२१ श्री सैव गीता मुल

१२ गरोस सहस्र नाम

२३ देवी सहस्र नाम

२४ विष्णु सहस्र नाम

२५ श्री सैव सहस्र नाम

२६ ललिता सहस्र नाम

२७ राम सहस्र नाम

२८ लक्ष्मी न सीह सहस्र नाम

२९ गरोस सहस्र नामावली

३० देवी सहस्र नामावली

३१ विष्णु सहस्र नामावली

३२ सूर्य सहस्र नामावली

३३ श्री सैव सहस्र नामावली

३४ गरोस प्र चोतर सत नाम

३५ देवी प्र चोतर सत नाम

३६ विष्णु प्र चोतर सत नाम

३७ सूर्य प्र चोतर सत नाम

३८ श्री सैव प्र चोतर सत नाम







॥ द्विमुखं तं नानिदित्सपयेत्संस्कृतेन ले ॥ घृतेन सिलं सिकथं कृत्वा तत्सहितं क  
टे ॥ २८ ॥ विधाय विद्यामष्टध्वंशं तं जपस्वरुते ततः ॥ एवं होमं महालक्ष्मीमावहो  
त्तितियन्तः ॥ २९ ॥ शुक्रवारे वारेष्वपि तथा वर्षानप



140  

---

28(03)



॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ षोडश नित्या सुया षष्ठी समुद्धारिता ॥ सा विद्या वक्रिका ॥  
॥ शिष्याः कथिता भूतः वाक्षरी ॥ १ तदंग निलिपि न्यासं ध्यानं शक्ति प्रवर्धनं ॥ तत्सा ॥  
धन विहित रूपाः प्रयोगा निविधानि ॥ २ ॥ होम प्रयं न विद्वे श्व कथया मिश्रं ॥  
॥ प्रिये ॥ विद्या दि तीय वीजे न स्वरान् दी दीर्घा नि योजयेत् ॥ ३ ॥ प्राया



140  

---

28(2)

26



धनयोधुतओकपुरसादीपकवारिहम  
 फजरोटातोऊजलकोपरौगीसी  
 तलसुगंधताअधिआनेकडारि॥  
 सीसादौदुगतोहीकोसवारोगी॥वाजी  
 प्रतापतेयैहोधारीवहजैसीअनप्रेरे  
 प्रेतैसीहीतुरतविचारोगीपुजिहोवीसेस  
 मानैसरदाक्रीरीसोआविदहिनीधिपाय  
 यवारितोहीसोनेहारोगी॥

१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१
४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२
५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३
६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४
७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५
८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६
९७	९८	९९	१००	१०१	१०२	१०३	१०४	१०५



श्रीगणेशाय नमः ॥ एतैरस्यैवैरीये ॥  
 सेवरखासमेचठिचंचवानेचैरी ॥  
 चितचौधाकोचावाऐरी ॥ इतिवृत्त  
 हरेहिमेंपरतीफुहरे ॥ १ ॥ ककुछोरै  
 ककुछोरै जलघरजलधरै ॥  
 भनतकविंदकुं जमवनपवनसो  
 पेकाकुकपाहितनहतपरपांऐरी ॥ का  
 मके तुकासोपूलडोलिडोलिऐरी ॥  
 मनयेऐकेयअऐयेकदेवनकीउऐरी  
 ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ फलेगलाला ॥ गला  
 बकलियानलागेतामेप्रदनकुरतअति  
 सरसाईहैहै ॥ पवनकेचलेतेदुपपातक  
 रितजातेअलीमानोप्रधुपुंयेमित्रसु  
 धिपाईहै ॥ तातेदयालदासअबूहुनआ  
 येस्वामिप्रभुविजाकेदेगुपअतिनीकी  
 बनिआईहै ॥ उधोजीनिपटअदेसोसदेसोक  
 हियोकुरकंधजीसोवसंतभुरितुआईहै ॥ ३ ॥  
 जहाअंबुजासमकामसमकामसमनेससेसअस  
 नसिषासनतारैरहै ॥ तापरअनेदरुपसंजब्रह्म  
 रीजीकीचंदसेबबितानधाराहसीरपेकररहै ॥  
 श्रीपतिभक्तजकेयरनसजनताकेयावारहोविधाकरेध  
 रैरहै ॥ पंदरसेवेसधनाधीसधवारपैकलेदरवेदर  
 सेवाहैरपुरंदरपरेरहै ॥ ४ ॥

140  
280E



पच्चेपीटनी अयेवेव वत नकी  
सउदेतसकीतो मत के धत कह  
थ नरे तो दे गरजी भु पनेजी अकी  
वरजी नरहे परजी व दये तो ४५  
हृदे हृद नरहर तरु दी जे व इ व दोस  
ते जे पुं मु के धनुष को ह मया रकी उ  
जस रो सु ह म पर की जत रो सु कला  
तिज नी ना ज इ हो नरहर उ र हो भी र  
मे ह म न मि ह इ हो नरहर के रहे  
मो ह म द स व के धु ह हो यति मु  
व जे ज जति मु के स ह ह ५५  
तकी पंगु प्रति कुंज क टी अ ध र  
धर पुं व व सो व न की च पट  
च भ के ध न वि ज ज गे ध वि मो  
ति न म द अ मो व न की धुं धु  
अ सी ह द व ह के मुख वि  
र कुंज व टो टा अ म क पो ल  
नी कि नी ध व र पु शा क रे तु ल  
सी व ट नी ज उ टा ह न ई न वा  
व न की ॥ १ ॥ टं क प ह